नई दिल्ली। नितिन गडकरी,मिनिस्टर ऑफ रोड,ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज़ को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय वरदान कार्ड देते हुए ब्र.कु. निकिता बहन।

नई दिल्ली। गजेन्द्र सिंह शेखावत,मिनिस्टर ऑफ जल शक्ति को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. सविता बहन, ब्र.कु. निकिता बहन तथा अन्य।

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् उनके साथ हैं ब्र.कु. बहनें व भाई।

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

अगर हर रोज़ अपने को कहेंगे कि मुझे मेरे लिए टाइम नहीं है तो फिर अपने से रिश्ता नहीं जुड़ेगा और मन से रिश्ता नहीं जुड़ेगा। अगर मैंने उससे रिश्ता जोड़ा नहीं है तो वो मेरा कहना माने क्यों! कहना तो वही मानता है जिससे हमारा रिश्ता है।

जब तक मैं अपने को न समझूं तब तक किसी और को समझना मुश्किल है...

अपने रिश्तों को सुंदर बनाने के लिए सबसे पहले अपने साथ रिश्ता जोड़ना होगा। जब तक मेरा रिश्ता अपने साथ नहीं है, तब तक औरों से रिश्ता जोड़ना बहुत कठिन है। जब तक मैं अपने से प्यार नहीं करूं, किसी और से प्यार करना मुश्किल है। जब तक मैं अपने लिए समय नहीं निकालूं, किसी और के लिए समय निकालना मुश्किल है। जब तक मैं अपने को नहीं समझूं, तब तक किसी और को समझना मुश्किल है। फिर हम आजकल कहते हैं कि हम उनको समझ नहीं पाते हैं। वो ऐसा क्यों कर रहे हैं, वो ऐसा क्यो बोल रहे हैं, उनका व्यवहार ऐसा क्यों है मुझे समझ में नहीं आता है। चलो उनका समझ में नहीं आता है कोई बात नहीं। मैं ऐसा क्यों बोलती हूँ वो समझ में आता है? मेरा मन यहां-वहां क्यों जाता है वो समझ में आता है? जब तक अपना ही नहीं समझ आता, तब तक किसी और का समझना मुश्किल है।

जब हम अपने को समझ लेते हैं तो और लोग अपने आप समझ में आने लग जाते हैं। दूसरों को गुस्सा क्यों आता है मुझे नहीं समझ में आता, बात कोई इतनी बड़ी नहीं होती है ऐसे ही शोर मचा देते हैं। लेकिन मुझे गुस्सा क्यों आता है ये समझ में आता है। जब मुझे ये समझ में आ जाएगा कि मुझे गुस्सा क्यों आता है, मेरे अन्दर उस समय क्या होता है, तो उनको समझना आसान हो जाएगा। इसलिए सबसे पहले अपने को समझना, अपने को जानना, अपने को पहचानना और अपने से रिश्ता जोड़ना। हम अपने लिए कितना समय निकालते हैं रोज़? अपने लिए तो कहेंगे हमारे पास टाइम नहीं है। जो लोग ज़रूरी होते हैं, जो रिश्ते हमारे लिए मायने रखते हैं, अगर हम हर रोज़ उनको कहें कि हमारे पास आपके लिए टाइम नहीं है तो रिश्ता कैसा हो जाएगा! अगर हर रोज़ अपने को कहेंगे कि मुझे मेरे लिए टाइम नहीं है तो फिर अपने से रिश्ता नहीं जुड़ेगा और मन से रिश्ता नहीं जुड़ेगा। अगर मैंने उससे रिश्ता जोड़ा नहीं है तो वो मेरा कहना माने क्यों! कहना तो वही मानता है जिससे हमारा रिश्ता है। जिसको हम प्यार करते हैं, जिस पर हम ध्यान देते हैं, जिसके साथ हम समय बिताते हैं वो हमारा कहना मानते हैं। मन को हम प्यार नहीं करते, उसके साथ समय नहीं बिताते, हर समय कहते हैं टाइम नहीं है और फिर हम चाहें कि हमारा मन हमारा कहना मानें तो ये होने वाला नहीं है। जैसे ही इसके साथ थोड़ा-सा समय बिताना शुरू किया, इसको प्यार से समझना शुरू किया, इसको प्यार से अनुशासित करना शुरू किया तो यह आपका कहना मानना भी शुरू कर देता है। सारा दिन में बीच-बीच में एक मिनट के लिए रूकें और सिर्फ अपने मन को देखें कि अभी इसमें क्या चल रहा है। और कुछ नहीं करना। सारा दिन विचार चल रहे हैं वो पता चल रहा है कि वो चलते हैं। क्या सोच रहे हैं। मानों सुबह उठे, शरीर बाद में उठता है मन पहले उठ जाता है। कई बार तो वो रात को सोता भी नहीं है। वो रात को भी चल रहा है। जिसको हम सपने कहते हैं, उनमें। जैसे ही सुबह उठते हैं नींद खुली, पहली चीज़ क्या चलना शुरू हो जाता है। जल्दी करो लेट न हो जाएं, पानी भरना है, नहीं भरा तो पानी चला जाएगा। फिर बच्चों को लेट हो जाएगा, उठना है तैयार करना है। ये सब क्या हो रहा है हमारा मन चल रहा है। ये हमारे विचार हैं जो हम बना रहे हैं।

अब हमें क्या करना है। एक सेकंड के लिए- एक मिनट भी नहीं लगता- सेकंड के लिए कौन-सा वाला विचार चल रहा था? चेक करना है क्या चल रहा है। अभी चेक करो क्या चल रहा है। कई बार हम मन के विचारों की तरफ ध्यान नहीं देते तो वो बहुत कुछ चलता जाता है। हमें पता ही नहीं होता क्या चल रहा है। जब पता ही नहीं है कि क्या चल रहा है तो फिर उसको चेंज करना तो संभव ही नहीं है। आप जैसे ही मन को देखेंगे अगर वो गड़बड़ वाले विचार कर रहा होता है तो तुरंत अटेंशन में आ जाता है। क्योंकि हमें तुरंत लग जाता है कि ये मैं क्या सोच रहा हूँ। सिर्फ देखना ही परिवर्तन कर देता है। ये करने में सिर्फ एक सेकंड लगेगा।

नई दिल्ली। मुख्तार अब्बास नकवी,फॉर्मर यूनियन मिनिस्टर ऑफ माइनॉरिटी अफेयर्स को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सविता बहन। साथ हैं ब्र.कु. निकिता बहन।

होशियारपुर-पंजाब। कैबिनेट मंत्री ब्रह्मशंकर जिम्पा को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. ऊषा बहन। साथ हैं ब्र.कु. लक्ष्मी बहन।

देवबंद-गुज्जरवाड़ा(उ.प्र.)। लोक निर्माण विभाग राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. सुधा बहन।

नोएडा-उ.प्र.। सुप्रिया प्रसाद,न्यूज़ डायरेक्टर,आज तक न्यूज़ चैनल,इंडिया टुडे एंड 'तक' को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. अदिति बहन,ज्ञानसरोवर,माउण्ट आबू।

शाहपुरा-राज.। विराटनगर से डीएनटी घूमंतु, अर्द्ध घूमंतु विमुक्त जनजाति बोर्ड चेयरमैन व राज्यमंत्री उर्मिला योगी को ईश्वरीय रक्षासूत्र बांधते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी।

दिल्ली-पीतमपुरा। पंजाब केसरी अखबार के डायरेक्टर चेयरपर्सन किरण चोपड़ा तथा अन्य स्टाफ को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. प्रभा बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. अनीता तथा ब्र.कु. ऊषा बहन।

बांदा-उ.प्र.। मंडलायुक्त आर.पी. सिंह को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. गीता बहन। साथ हैं ब्र.कु. शालिनी बहन तथा अन्य।

डीग-राज.। ब्रजेश ज्योति उपाध्याय,आईपीएस पुलिस अधीक्षक को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. प्रवीणा बहन।

लक्ष्मणगढ़-राज.। मोदी यूनिवर्सिटी लक्ष्मणगढ़ के डायरेक्टर राजीव माथुर को ब्र.कु. अमृता बहन एवं ब्र.कु. मीनू बहन द्वारा रक्षासूत्र बांधकर माउण्ट आबू में होने वाले ग्लोबल सम्मिट में आने का निमंत्रण दिया गया।

अल्मोड़ा-उत्तराखंड। जिलाधिकारी विनीत तोमर को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु. नीलम बहन,संचालिका,कुमाऊँ क्षेत्र,हल्द्वानी।